CVG-004

वैदिक गणित में प्रमाण पत्र कार्यक्रम

(CVG)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2024 एवं जनवरी, 2025 सत्रों के लिये)

CVG-004 वैदिक रेखागणित एवं त्रिकोणमिति

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

वैदिक रेखागणित एवं त्रिकोणमिति : CVG-004

सत्रीय कार्य (2024-25)

पाठ्यक्रम कोड : CVG-004/2024-25

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ………………..

नाम : ………………

पता :………………..

दिनाँक :…………………..

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :……………..

सत्रीय कार्य कोड :……………………

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :………………..

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन **:** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास **:** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्प्णी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है**,** अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, **2024** सत्र के लिए : **31** अक्टूबर, **2024**

जनवरी, **2025** सत्र के लिए : **30** अप्रैल, **2025**

सत्रीय कार्य : CVG - **004** वैदिक रेखागणित एवं त्रिकोणमिति

पाठ्यक्रम कोड: CVG - 004

पाठ्यक्रम शीर्षक : वैदिक रेखागणित एवं त्रिकोणमिति

सत्रीय कार्य - CVG - 004/TMA/2024-25

पूर्णांक - 100

नोट - निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- **20*5=100**

1. वृत्त की परिभाषा देते हुए उसके अंगों के विषय में विस्तार से लिखिये।
2. वराहमिहिर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिये।
3. आर्यभट्टीयम् में वर्णित त्रिकोणमिति के विषय में लिखिये।
4. समकोण त्रिभुज की तीन विशेष भुजाएँ कौनसी हैं? विस्तार से समझाइये।
5. प्राचीन भारत में कालगणना के उपयोगी यन्त्र कौन-कौन से थे? विस्तार से लिखिये।
6. सूर्यसिद्धान्त में वर्णित त्रिकोणमिति को स्पष्ट कीजिये।
7. ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार काल गणना यन्त्र को स्पष्ट कीजिये।

8. निम्न में से किन्ही दो का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए -

(क) बौधायन

(ख) माधवन

(ग) शंकर परियार

(घ) सरस्वती अम्मा